This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1218**

Unique Paper Code : **205504** **F**

Name of the Paper : **Paper XVII : Hindi Natak**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8,7

(क) हा ! जिस भारतवर्ष का सिर व्यास, वाल्मीकि, कालिदास, पाणिनि, शाक्यसिंह, बाणभट्ट प्रभृति कवियों के नाममात्र से अब भी सारे संसार से ऊँचा है, उस भारत की यह दुर्दशा ! जिस भारतवर्ष के राजा चन्द्रगुप्त और अशोक का शासन रोम रूस तक माना जाता था, उस भारत की यह दुर्दशा ! जिस भारत में राम, युधिष्ठिर, नल, हरिश्चंद्र, रंतिदेव, शिवि इत्यादि पवित्र चरित्र के लोग हो गए हैं उसकी यह दशा ! हाय, भारत भैया, उठो ! देखो विद्या का सूर्य पश्चिम से उदय हुआ चला आता है । अब सोने का समय नहीं है ।

(ख) कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-संपत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता । यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो । हाँ, तुम लोगों को आपत्ति से बचाने के लिए मैं स्वयं यहाँ से चली जाऊँगी ।

P.T.O.

(ग) राजनीति ! राजनीति ही मनुष्यों के लिए सबकुछ नहीं है । राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्वमानव के साथ व्यापक संबंध है । राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण भर के लिए तुम अपने को चतुर समझ लेने की भूल कर सकते हो । परंतु इस भीषण संसार में एक प्रेम करने वाले हृदय को खो देना सबसे बड़ी हानि है । शकराज ! दो प्यार करने वाले हृदयों के बीच स्वर्गीय ज्योति का निवास होता है ।

(घ) एक जमाने में ब्रह्मावर्त के आर्यों और इन्द्र ने इनके नगरों को नष्ट किया ···· सिंधु, इरावती और सरस्वती के तट पर वे जगमगाते नगर वीरान हो गए । उन्हें डर है कि अब ब्रह्मावर्त के मुनि अपने यज्ञों के नाम पर जंगलों को काट रहे हैं । मिट्टी बहकर सरस्वती की धारा को बंद कर रही है । इस तरह उनकी बची-खुची खेती ही मटियामेट हो जाएगी ।

2. "'भारत दुर्दशा' एक राजनीतिक चेतना का नाटक है" – सिद्ध कीजिए । 15

अथवा

'भारत दुर्दशा' की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए ।

3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर प्रसाद की नारी चेतना का विवेचन कीजिए । 15

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' की नाट्य-भाषा पर विचार कीजिए ।

4. 'पहला राजा' नाटक के कथ्य का विवेचन कीजिए । 15

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'सूखी डाली' एकांकी की समीक्षा कीजिए ।

5. किसी **एक** का उत्तर लिखिए : 15

(क) "स्वदेश दीपक ने 'कोर्ट मार्शल' में जाति व्यवस्था के विद्रूप रूप को सामने रखा है", नाटक के माध्यम से सिद्ध कीजिए ।

(ख) "पुरुष प्रधान समाज ने स्त्री को सदैव नेपथ्य में ही रखा है ।" 'नेपथ्य राग' नाटक के माध्यम से इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ग) आज के सन्दर्भ में 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए ।

(घ) 'मुक्ति का रहस्य' एकांकी के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए ।